3387889

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)   क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

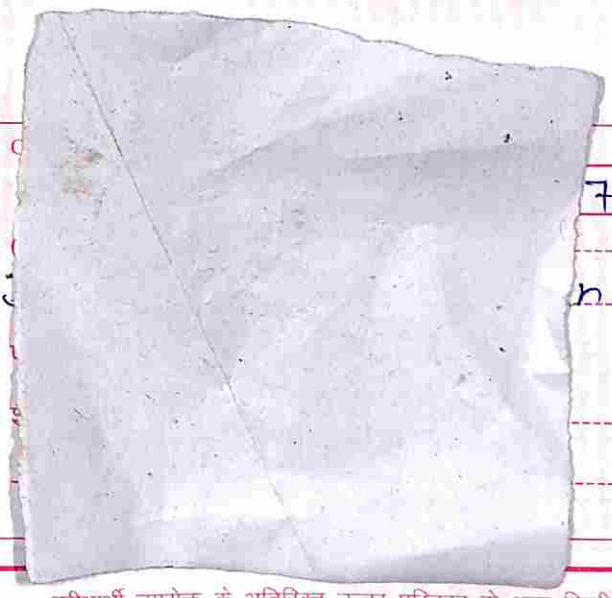

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 08-04-2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	4
2	6	20	5
3	11	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	3	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	6	80	80
18	6		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 28893

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।164/2018

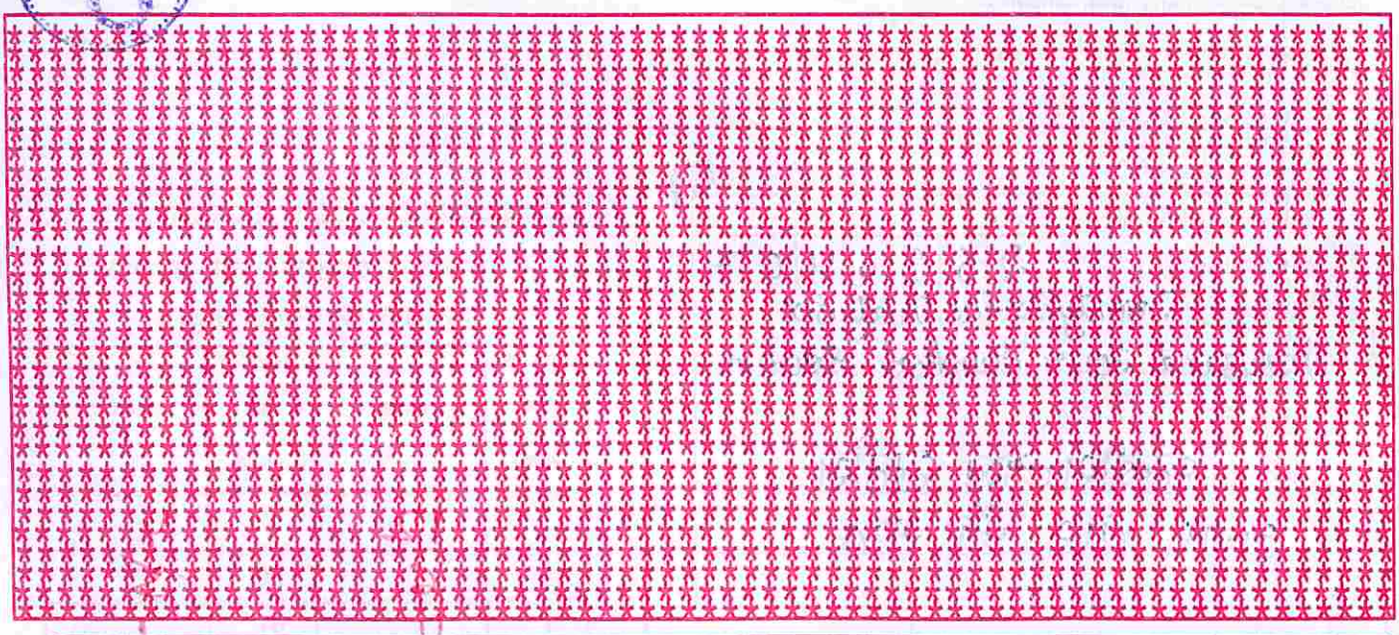

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

'खण्ड - अ'

प्रश्न 1.

(1) (अ) सुख और दुःख

(2) (अ) जिसका मन वश में है।

(3) (ब) विधाता की योजना के अनुसार

(4) (स) जिसका मन अपने वश में नहीं है।

(5) (अ) जो समझता है कि दूसरों पर परोपकार कर रहा है।

(6) (स) मन के विकल्प

(7) (अ) आनन्द

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	8.	(स) आँसुओं की
	9.	(अ) मुस्कान देखकर
12	10.	(स) बचपन
	11.	(अ) चंदा
	12.	(द) आँसू भरी आँखें

BSER-164/2018

उत्तर 2:-

(1) भाषा मौखिक अभिव्यक्ति का माध्यम है।

(2) भाषा का लिखित रूप ही लिपि कहलाता है।

(3) "घोड़ा सवारी के काम आता है" वाक्य में अभिधा शब्द शक्ति है।

(4) लक्षणों पर आधारित अर्थ का बोध कराने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वाली लक्षणा शब्द वाक्ति होती है।

(5) 'चारु-चन्द्र की चंचल किरणें' उक्त काव्य-पंक्ति में 'च' वर्ण की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।

(6) जहाँ शब्द की आवृत्ति हो किंतु अर्थ भिन्न हो वहाँ यमक अलंकार होता है।

उत्तर 3:-

(1)
(अ) Notice – सूचना

(ब) Circular – परिपत्र

(2) शब्दकोश :- ~~Dictionnary~~ Dictonary (डिक्शनरी)

(3) इंटरनेट पत्रकारिता :- इंटरनेट पर समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं का आदान-प्रदान ही इंटरनेट पत्रकारिता है।
इंटरनेट पर खबरों का विभिन्न साइटों तथा वेबों के माध्यम से प्रकाशन है।

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(4) भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मिन / लक्ष्मी था।

(5) यशोधर बाबू घरवाली की आधुनिकाओं सा आचरण करने पर "बूढ़िया", उनकी तथा "बूढ़ापे पर नखरा करना" कहकर मजाक उड़ाते थे।

(6) 'सिल्वर वैडिंग' से पीढ़ी के अंतराल तथा पाश्चात्य संस्कृति के ओर बढ़ते भारतीय समाज को बखूबी बताया है। इसका आशय पाश्चात्य संस्कृति को ओर बढ़ता समाज है। यशोधर बाबू 25वीं सालगिरह पर वे दिखावा करते है।

(7) लेखक के पिता ने उसकी पढ़ाई इसलिए छुड़वा दी क्योंकि वह आराम से दिन-भर गाँव में घूमता रहे तथा उसका बेटा (लेखक) खेत में काम (देखभाल) करें।

(8) अकेले रहने से कविता का गान आसानी से हो सकता है, जिससे मनोरंजन अच्छा हो जायेगा तथा कविता पर "धुई-धुई" करके नाचा भी जा सकता है।

RSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(9) रघुवीर सहाय की रचनाएँ :-
(1) सीढ़ियों पर धूप में
(2) आत्महत्या के विरुद्ध

(10) महादेवी वर्मा का जन्म सन् 1907 ई. में फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) में हुआ था।

(11) लेखक के सहपाठी बसंत पाटिल से दोस्ती तथा शिक्षकों के अपनेपन के कारण मन पढ़ाई में लगने लगा।

11

'खण्ड - ब'

उत्तर:- 4:- मुद्रित माध्यम में निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए -
(1) मुद्रित माध्यम की भाषा सरल होनी चाहिए।
(2) भाषा में अशुद्धियाँ कम होनी चाहिए।
(3) अक्षर स्पष्ट तथा कम शब्दों में महत्वपूर्ण तथ्य होने चाहिए।
(4) नंबरों को जाँचकर तथा उन्हें अधिकांशतः हिन्दी में लिखने का प्रयास करना चाहिए।

2

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 5:- पत्रकारीय लेखन:- पत्रकारों द्वारा समाचार पत्रों, पत्रिकाओं के लिए किया जाने वाला लेखन पत्रकारीय लेखन है।

- पत्रकारों की भाषा सरल होती है।
- शैली स्पष्ट तथा शब्द सीमा निश्चित होती है।
- गणित के अक्षरों (नंबरों) का ध्यान जरूरी है।

उत्तर 6:- अध्यापक तथा छात्र के बीच गृह-कार्य करने को पाँच वाक्य:-

अध्यापक:- आज मैंने जो तुम्हें काम दिया है, वो कल पूरा हो जाना चाहिए।

छात्र - जी सर! यह काम पूरा हो जायेगा।

(अगले दिन)

अध्यापक - क्या? कल दिया काम पूरा कर लिया।

छात्र - नहीं सर, कल तबीयत खराब थी इसलिए नहीं कर पाया।

अध्यापक - तो आज अतिरिक्त कार्य दिया जायेगा तथा कल यह जरूरी पूरा होना चाहिए।

उत्तर-7:- 'बात सीधी थी पर' कविता की मूल संवेदना है कि बात कहते समय भाषा सरल होना चाहिए। आसान तथा कम शब्दों

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

में सुस्पष्ट तथा सरल तरीके से बात कहने का प्रयास करना चाहिए। मूल संवेदना है कि बात भाषा के चक्कर में अर्थहीन हो गयी थी।

उत्तर:-8:- जब शरद ऋतु का मौसम आ जाता है, तो बच्चे पतंगे उड़ाते हैं। पंतगे उड़ाते समय वे इस खेल में इतना रम जाते है कि लेखक को लगता है कि पंतगों को उड़ाने के साथ वे स्वयं भी उड़ रहे है। इसमें बाल-क्रीड़ा तथा मनोदशा का वर्णन किया है।

उत्तर:-9:- लेखक ने तर्क दिया कि यह शिरीष का वृक्ष हर मौसम, समय, ऋतु, गर्मी, लू, सर्दी, तूफान में अपनी जगह स्थिर रहता है, वह घबराता नहीं है तथा मुसीबतों का सामना करता है और काल पर विजय पाता है। इसके फल अत्यधिक कठोर तथा यह भी कठोर होता है। इसी कारण इसकी तुलना कालजयी अवधूत से की है।

उत्तर:-10:- जैनेन्द्र कुमार के अनुसार किसी वस्तु को खरीदना ही उस व्यक्ति की पर्जेजिंग पावर है। पर्जेजिंग पावर का अर्थ है- पैसे की

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वस्तुओं को खरीदने की क्षमता। जो व्यक्ति अधिक तथा कम वस्तुएँ खरीदता है, तो क्रमशः पर्जेजिंग पावर अधिक (पैसा अधिक) तथा पर्जेजिंग पावर कम (पैसा कम) बताया गया है। पर्जेजिंग पावर पैसे की गरमी से बढ़ती है।

उत्तर-11:- यशोधर बाबू ऑफिस से हमेशा घर लेट जाते थे क्योंकि जल्दी घर पहुँचते ही हर छोटी-सी-छोटी बात पर उनके तथा उनकी पत्नी के मध्य मनमुटाव हो जाता था तथा पत्नी और बच्चे उनकी बातों को अनसुना कर देते थे। तथा उन पर कोई ध्यान नहीं देते थे तथा वे उन्हें पाश्चात्य संस्कृति को अपनाने को कहते थे।

2

उत्तर 12:- लेखक तथा उसकी माँ पढ़ाईको लेकर दत्ता जी राव (देसाई जी) के पास गये तथा उन्हें सब बता दिया। दत्ता जी राव ने लेखक के पिता रतनाप्पा को समझाया तथा लेखक को स्कूल भेजने के लिए उस पर दबाव बनाया तथा उसे स्कूल जाने को कहा। दादा को समझाकर उसकी मदद की।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड-द)

उत्तर:-17 (ii)

दीवाली की शाम ---------- उतर आया है।

सप्रसंग:- प्रस्तुत पंक्तियां हमारी पाठ्यपुस्तक "आरोह-भाग II" के "फिराक गोरखपुरी" "(रघुपति सहाय फिराक)" के "रूबाईयां" नामक शीर्षक से लिया गया है। इसके कवि "फिराक गोरखपुरी" है।

इस पद्यांश / पंक्तियों में दीवाली की शाम, बच्चे की बाल-क्रीड़ा तथा उसकी जिद का वर्णन किया है।

व्याख्या:- कवि कहते है कि दीवाली के समय घरों की साफ-सफाई की गई, जिससे दीवाली की शाम घर सुंदर, सज्जे तथा पुते हुए लग रहे है। माता-पिता अपने बच्चे के लिए बाजार से मिट्टी के बने खिलौने लाते है, जिससे उस नन्हे-प्यारे बच्चे के मुख पर चमक आ जाती है। माँ अपने बच्चे के खिलौने के घर में बने घरौंदे में दीपक जलाती है, जिससे बालक प्रसन्न होकर एक मुस्कान बिखेर देता है।

कवि के अनुसार जब बालक आंगन में ठुनक-ठुनक कर चल रहा था, तो वह

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

चांद को देखता है तथा उसका मन चांद पर ललचा जाता है। माँ उसके हाथों में दर्पण देकर कहती है कि देख दर्पण में बेटे चांद तो दर्पण पर उतर आया है। जिसे देखकर बालक अत्यन्त प्रसन्न होता है।

विशेष :-

1. माँ के वात्सल्य - प्रेम, ममत्व का वर्णन किया है।
2. बालक की बाल - क्रीड़ाओं का मनोहारी सदृश रूप में चित्रण किया है।
3. इसमें साधारण शैली, अवधी, तत्सम तथा तद्भव शब्दों का प्रयोग किया है।
4. यहाँ रूपक, यमक, श्लेष अलंकार तथा लक्षणा शब्द - शक्ति का प्रयोग किया है।

उत्तर 10:- (ii)

"कुछ देर ------------ मिलता है।"

सप्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक "आरोह- भाग-II" के "धर्मवीर - भारती" के "काले मेघा पानी दे" के शीर्षक से लिया गया है।

इसमें लेखक ने जीजी द्वारा कहे जाने वाले सांस्कारिक तथा संस्कृति के विचारों का वर्णन किया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या :- लेखक कहते है कि थोड़ी देर तक जीजी चुप रही तथा बाद में मेरे मुँह में मठरी (चना व गुड़) डालती हुई बोली- "देखो इस संसार में बिना त्याग के कुछ नहीं होता है।" अगर तेरे पास लाखो-करोड़ रुपये है तथा तू उसमें से दो-चार रुपये का दान दे तो, वह क्या त्याग होगा। त्याग या दान तो वह होता है कि जो चीज / वस्तु तेरे पास कम है। तुझको व दूसरों को भी इसकी जरूरत है तथा तू जग जीवन के कल्याण के लिए उस वस्तु का दान त्याग करता है, उसका लाभ मिलता है।

विशेष :-

1. इसमें जीजी के अपनत्व का वर्णन किया है।
2. भाषा सरल, सुसज्जित है।
3. विरोधाभास, प्रश्नवाचक, उदाहरण अलंकार का प्रयोग हुआ है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर- 19- (ii)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
अजमेर
राजस्थान

क्रमांक - 1414 दिनांक- 8 अप्रैल 2022

विज्ञप्ति

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि शिक्षा बोर्ड ने बारहवीं तथा दसवीं की परीक्षा की तारीखों को बदल दिया है। जो पहले 03 मार्च से शुरू होने वाली थी, वह अब 04 अप्रैल से शुरू होगी तथा परीक्षा केन्द्र यथावत रहेंगे तथा अन्य जानकारी उपलब्ध करवा दी जायेगी।

सचिव
'क' 'ख' 'ग'
(हस्ताक्षर)

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 20:- (iii)

"बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ"

प्रस्तावना:- आज हमारे देश की अधिकांश लड़कियाँ निरक्षर है क्योंकि विद्यालयों तथा शिक्षण-केन्द्रों की व्यवस्था न होने के कारण वह उचित सुविधा नहीं ले पा रही है। तथा अधिकांश लड़कियाँ विद्या के अभाव में आत्मविश्वास खो चुकी है।

अभियान की शुरुआत:- इस अभियान की शुरुआत सन् 2015 को हुई थी। इस अभियान के तहत हर गाँव तथा घर की प्रत्येक लड़की को शिक्षित करना तथा उसे उसके अधिकारों का उचित तथा समुचित लाभ उपलब्ध करवाना है।

इस अभियान के तहत प्रत्येक गाँव में विद्यालयों, संस्थानों, आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से लड़कियों को शिक्षा दी जा रही है।

कन्या भ्रूण हत्या तथा गर्भ-जांच पर रोक लगा दी है।

अभियान के तहत सुविधाएँ:- इस अभियान के तहत महिला शिक्षा तथा भ्रूण हत्या पर रोक को

BSER-16-4/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

बढ़ावा दिया जा रहा है।
लड़कियों को अधिक अंक प्राप्त करने पर "गार्गी पुरस्कार, स्कूटी वितरण, टेबलेट वितरण" तथा अन्य संस्थानों द्वारा उनका सहयोग किया जा रहा है तथा निः शुल्क रहने के लिए आवास की व्यवस्था भी की गई है।

सरकार द्वारा उठाए कदम :- सरकार ने विभिन्न कार्यक्रमों के तहत बालिका शिक्षा को बढ़ावा दी रही है। सरकार ने कन्या भ्रू हत्या, गर्भ-जाँच पर निरोध (रोक) कर बालिका को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। "सन् 2005 में अनुच्छेद 313 के तहत गर्भ-जाँच करने वाले परिवार को 5 साल की जेल तथा उचित दण्ड का प्रावधान है।"
सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर संघर्ष व प्रयास कर रही है तथा उचित लाभ भी उपलब्ध करवा रही है।

"शिक्षा देना है सबसे हक,
पाना भी है सबका हक"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपसंहार :- आज इस कार्यक्रम के तहत अनेक बेटियों ने शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को सुनहरा बनाया है तथा अनेक अभी भी लाभ उठाकर भविष्य सुधार रही है। यह इस संसार तथा समाज की सबसे बड़ी जीत है कि वह बेटियों को पढ़ाना चाहते हैं।

'बेटियों को शिक्षा दिलाना
जन्म सिद्ध अधिकार है।"

"बेटा-बेटी एक समान,
तभी होगा देश महान"।

"बेटा बेटी एक समान,
तभी देश होगा महान।।"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

'खण्ड-स'

उत्तर :-13- (ii)

उषा कविता के कवि रामधारी सिंह दिनकर ने गाँव की सुबह का वर्णन किया है। और। प्रातः आकाश नीला दिखाई दे रहा था, बाद में नीले आकाश के बीच सूर्य की आभा (किरण) दिखाई देने लगी। नीले आकाश के मध्य लाल रंग अत्यंत प्रिय लग रहा था। बाद में नमी के कारण लग रहा था कि जैसे राख से अभी-2 किसी ने चौका लिया हो। काले सिलपटे पर पड़ी केसर के समान आकाश में सूर्य अतीव प्रिय लग रहा है। सूर्य की आभा अतीव मनोरम, सुंदर लग रही थी, कवि ने पल-पल का वर्णन अपने शब्दों में किया है। सूर्य जैसे कोई गोरे रंग की स्त्री की देह जल में झिलमिला रही हो, ऐसी लगी रही थी। जैसे-2 सूर्य, सूर्योदय की तरफ बढ़ रहा था वैसे-2 उषाकाल का अतीव मनोरम दृश्य समाप्त हो रहा था।

"कवि ने सिलपटे पर पड़ी केसर, राख से लिपा चौका, खड़िया चौक, आकाश को स्लेट जैसे उपमान देकर वर्णन किया है।"

हम इनके आधार पर अतीव मनोरम जैसे चौक के स्थान पर ब्लैक-बोर्ड, तथा चित्रपट

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

तथा अन्य कई उपमान दे सकते है।

उत्तर :-14:- (i)

भगत जी चूरन बेचने वाले संयमी व्यक्ति थे। वे स्वयं के मन पर नियंत्रण कर सकते थे। बाजार जाते समय "चांदनी-चौक की चांदनी" उन्हें आकर्षित नहीं कर पाती थी तथा वह सीधे पंसारी की दुकान पर अपनी आवश्यकता का समान खरीद लेते थे तथा अन्य वस्तुओं पर आकर्षित नही होते थे।

भगतजी आचार में सरल तथा सभी के प्रति आदर भाव रखते थे। भगतजी जैसे व्यक्तियों की समाज को आवश्यकता है।

भगतजी आवश्यकता की चीजे खरीदते तथा कभी भी अधिक लाभ की तरफ नहीं सोचते थे। "यह व्यक्ति बाजार का बाजारपन घटाते है तथा बाजार में सामंजस्य बनाए रखते है।" जिससे माल की कमी नहीं होती और आवश्यकतापूर्ण व्यक्ति कम खपत करते है तथा सभी को वस्तुएं उपलब्ध होती है।

यह व्यक्ति बाजार में शांति स्थापित करते है। बाजार में भीड़ कम होती है तथा जिससे वस्तुओं को भेदभाव नहीं होता है। बाजार स्वतंत्र तथा सुलभ रूप से रहता है। भगतजी शांति तथा समता की स्थापना करते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 15:- (iii)

जूझ कहानी के आधार पर जीवन मे सफलता पाने का लिए गुरू का होना आवश्यक है। वह चाहे छोटा बच्चा या बड़ा हो, जो अपना कुछ सीखाता है वह आपका गुरू है। मनुष्य का सबसे बड़ा गुरू उसकी माँ है वह ही उसे संस्कार देती है।

जूझ के लेखक आनन्द यादव माँ के प्रयास के कारण ही विद्यालय जा पाया, वह उसकी प्रथम गुरू है।

शिक्षक मंत्री के व्यवहार तथा अच्छे आचरण के कारण ही वह गणित मे होशियार हुआ तथा सफलता प्राप्त की तथा अन्य बच्चों के सवालों की जाँच कर उसका आत्मविश्वास बढ़ा।

मास्टर सौन्दलेकर के कारण उसकी मराठी भाषा सुधरने लगी तथा उसे छंद, अलंकार का ज्ञान हुआ तथा वह अपने आस-पास की वस्तुओं को देखकर स्वयं कविता करने लगी तथा वह आज महान कवि है।

आनन्द यादव के माँ, मास्टर मंत्री व न.वा. सौन्दलेकर, दत्ता जी राव गुरू है। तथा मालती की बेल ने इनके जीवन को नयी दिशा दी। माँ को भगवान ने भी सबसे प्रमुख गुरू बताया है। संघर्षमयी जीवन जीते हुए माँ-बाप, भगवान तथा गुरूजनों का सम्मान करके ही सफलता प्राप्त होती है।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर :- 16 :- (i)

:- हरिवंश राय बच्चन :-

जन्म :- सन 1907
जन्म - स्थान - इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश।)
मृत्यु - सन 2003
मृत्यु - स्थान - मुम्बई

रचनाएँ - मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा-निमंत्रण, आकुल-अंतर, हैमलेट, जनगीता, मैकबेथ, प्रवासी की डायरी, दरवाजे से सोपान तक, बसेरे से दूर
पुरस्कार :- साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्मभूषण, ज्ञानपीठ पुरस्कार

विशेष :-
इन्होंने 45 वर्षों के लेखन कार्य में अनेक रचनाएँकी।
1. इन्होंने रेडियो - कार्यक्रम, पत्र-पत्रिकाएँ का
2. सम्पादन किया।
इनकी प्रवृति संघर्षशील थी।
3. ये बच्चों से अत्यधिक प्रेम करते थे।
4. "प्रवासी की डायरी" संग्रह कलात्मक तथा सृजनात्मक
5. लेखन शैली का उदाहरण है।

"समाप्त"

रोल नम्बर :- 2636407

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

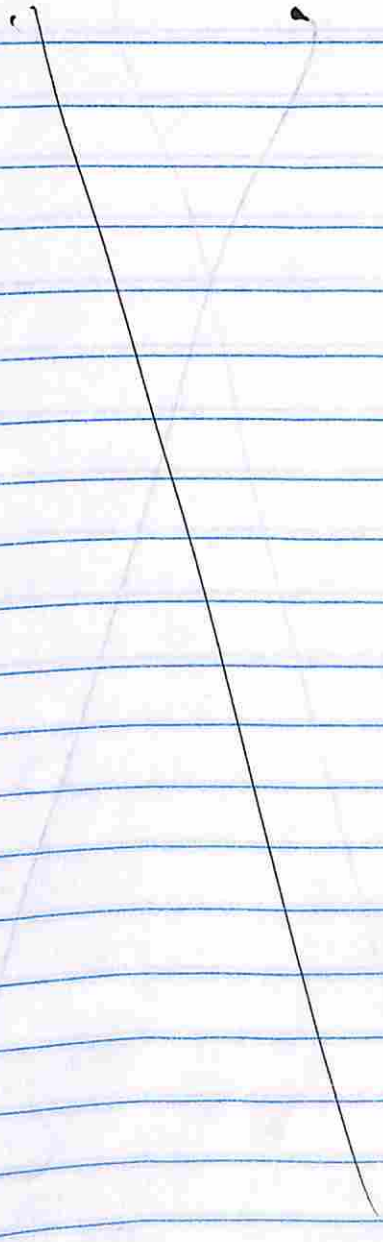

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

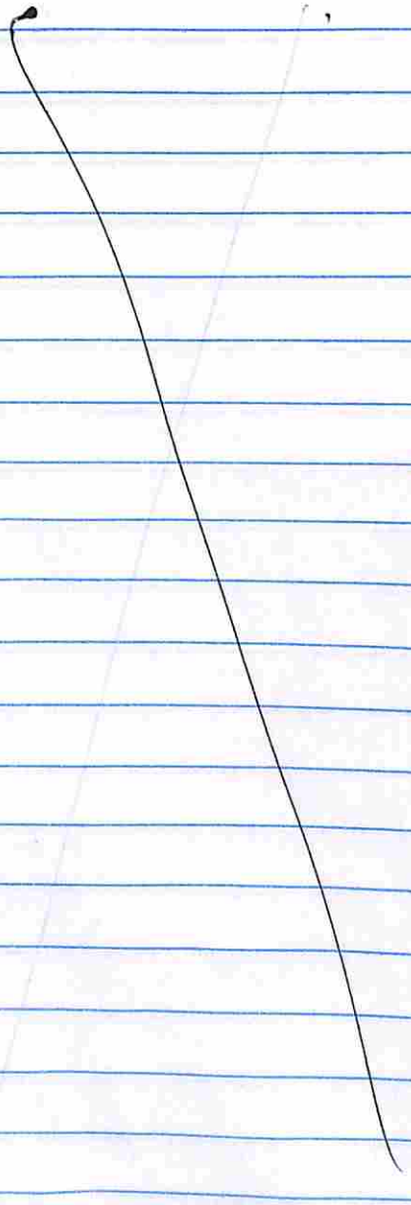

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

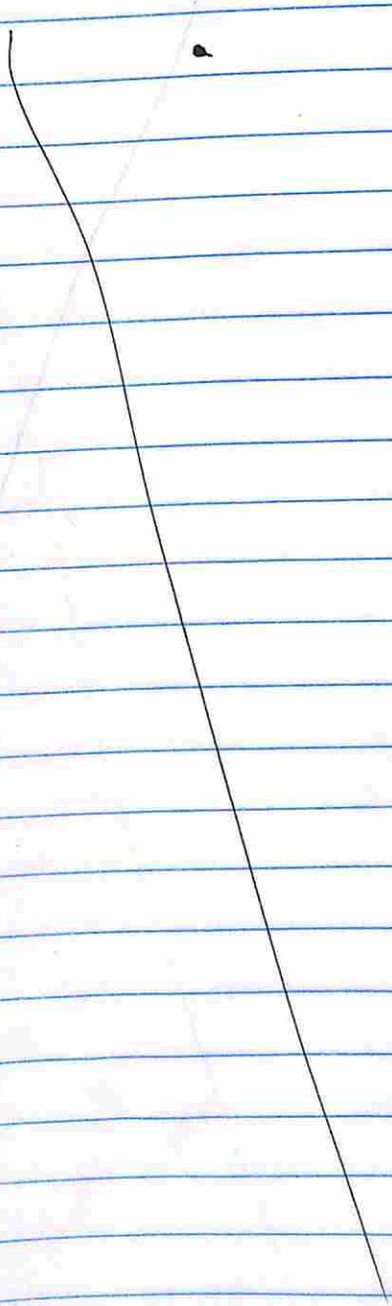

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

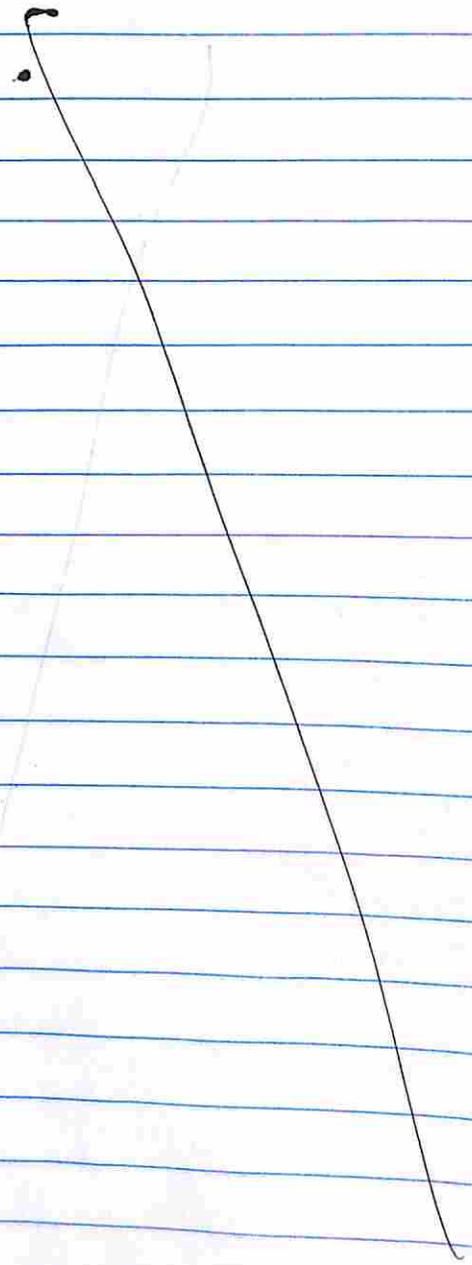

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

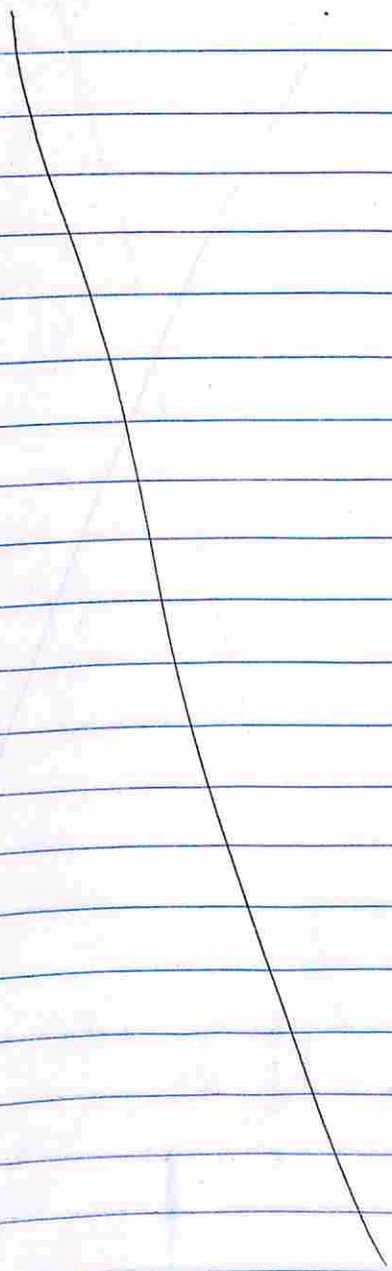

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

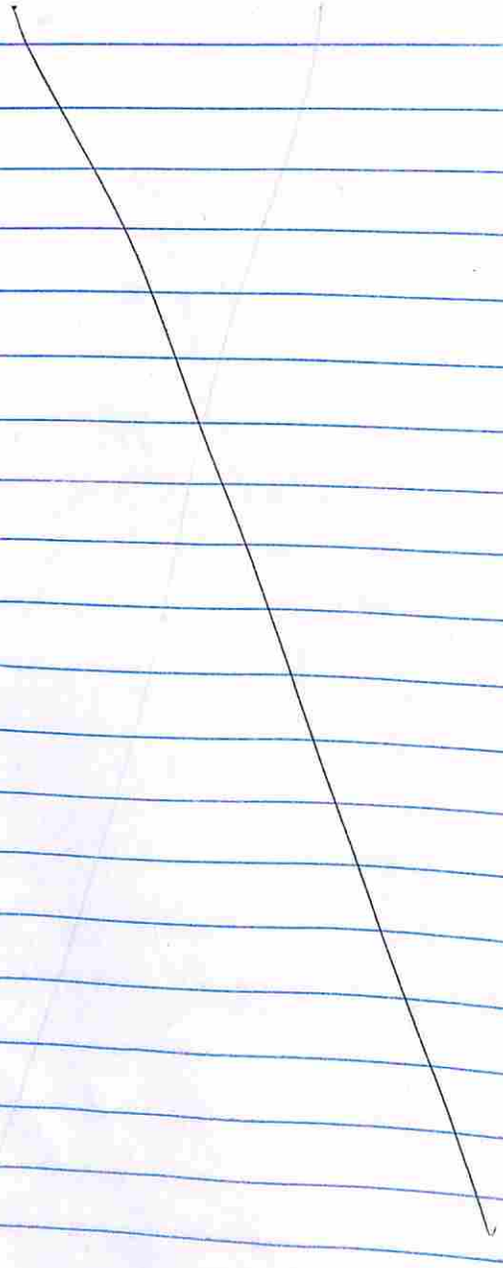

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

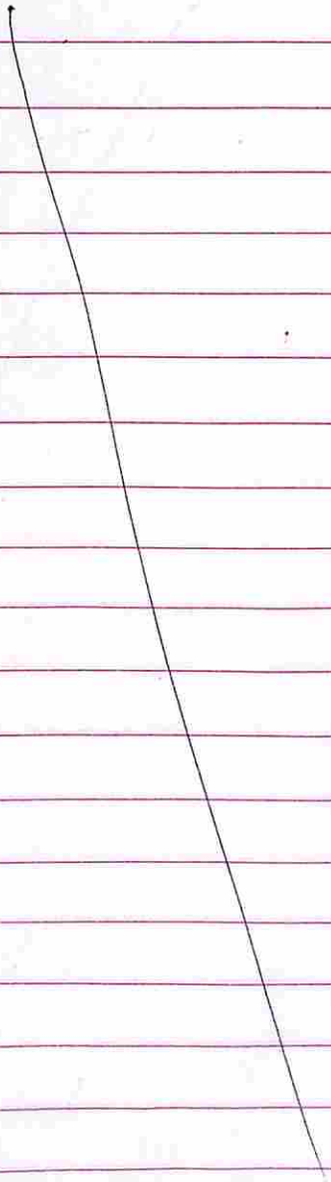

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

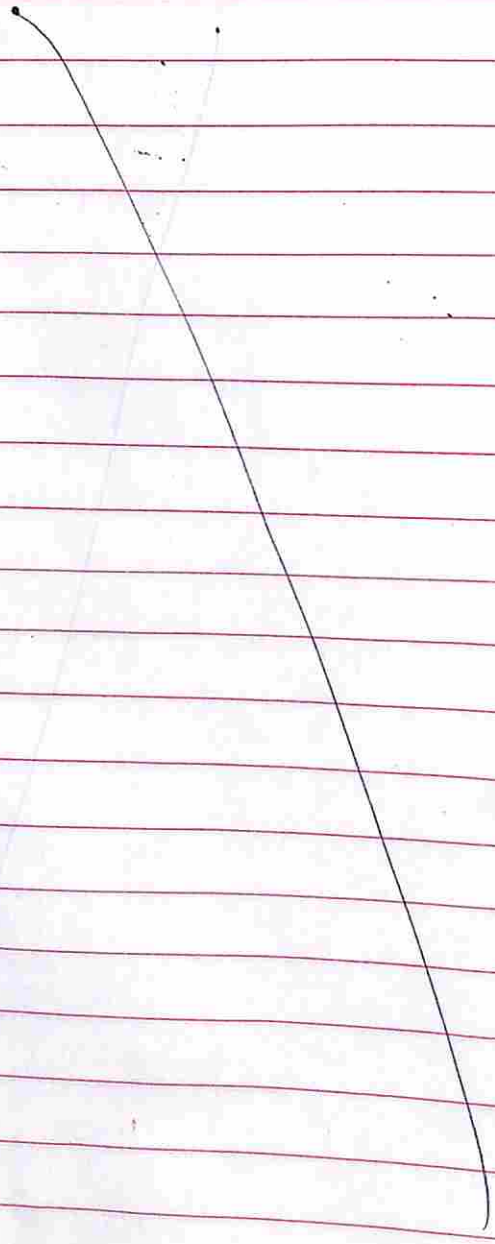

BSEB-164/2018